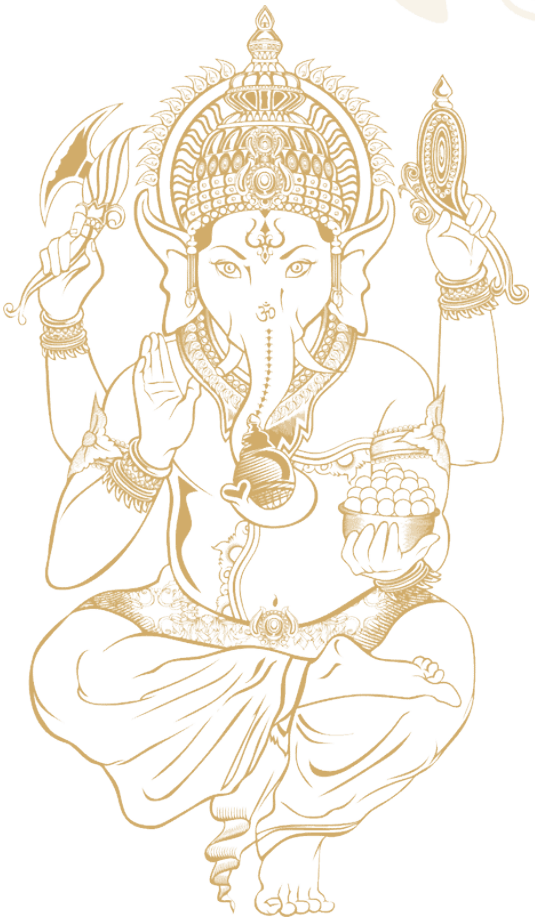

Sudhir

02 May 1961

04:45 AM

Hardoi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121299506

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**1-02/05/1961**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**04:45:00 घंटे**
इष्ट	58:04:20 घटी
स्थान	**Hardoi**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:23:00 उत्तर
रेखांश	80:06:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:09:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:35:24 घंटे
वेलान्तर	00:02:54 घंटे
साम्पातिक काल	19:13:57 घंटे
सूर्योदय	05:31:15 घंटे
सूर्यास्त	18:42:40 घंटे
दिनमान	13:11:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	18:00:28 मेष
लग्न के अंश	02:12:37 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	वरियान
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	तो-तोरल
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	02:12:37	480:51:27	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	---
सूर्य			मेष	18:00:28	00:58:11	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	उच्च राशि
चंद्र			वृश्चि	03:07:47	13:49:17	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	नीच राशि
मंगल			कर्क	04:35:52	00:30:27	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	नीच राशि
बुध		अ	मेष	18:00:21	02:09:12	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	सम राशि
गुरु			मक	12:57:18	00:04:23	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	नीच राशि
शुक्र	व		मीन	19:25:27	00:00:30	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	उच्च राशि
शनि			मक	06:29:31	00:00:45	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	स्वराशि
राहु	व		सिंह	10:27:49	00:10:55	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	10:27:49	00:10:55	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			कर्क	28:20:35	00:00:09	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
नेप	व		तुला	16:35:56	00:01:38	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
प्लूटो	व		सिंह	12:16:55	00:00:27	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	---
दशम भाव			धनु	23:44:12	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:18:52

लग्न-चलित

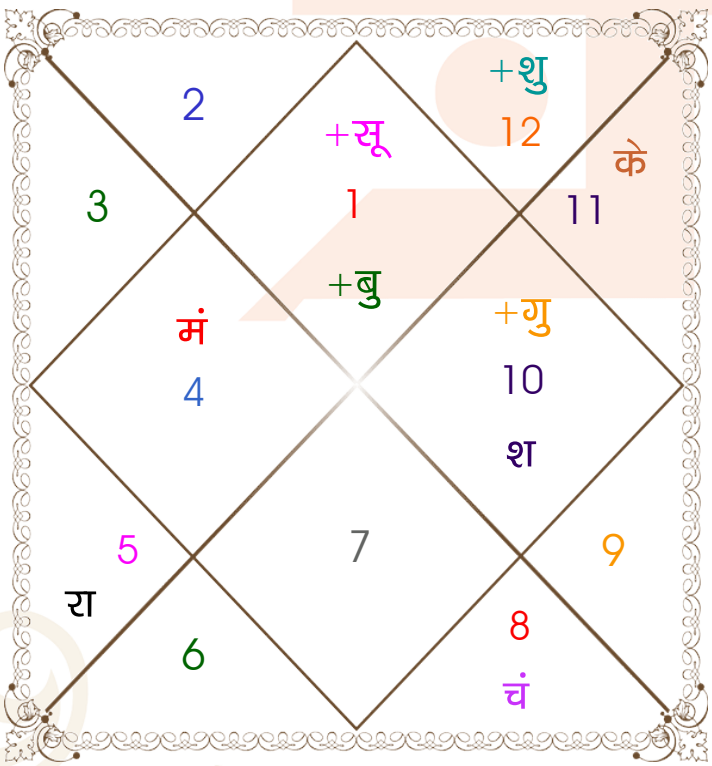

चन्द्र कुंडली

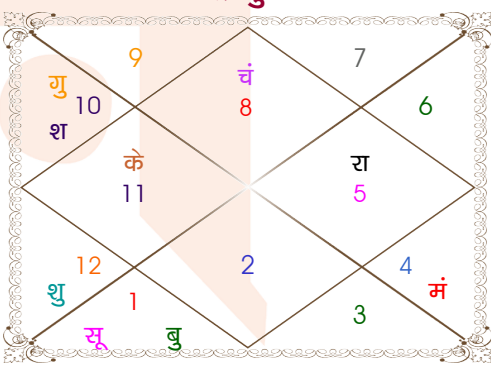

नवमांश कुंडली

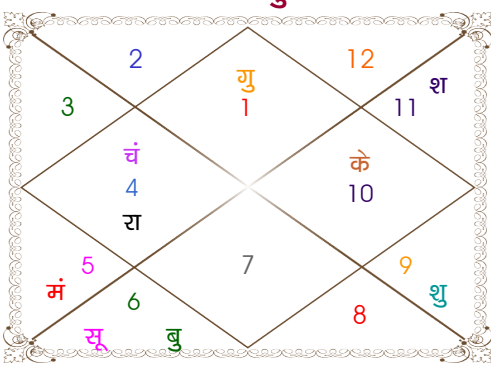

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 0 वर्ष 2 मास 28 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
02/05/1961		30/07/1961		30/07/1980		30/07/1997		30/07/2004	
30/07/1961		30/07/1980		30/07/1997		30/07/2004		30/07/2024	
	00/00/0000	शनि	02/08/1964	बुध	26/12/1982	केतु	26/12/1997	शुक्र	29/11/2007
	00/00/0000	बुध	12/04/1967	केतु	24/12/1983	शुक्र	25/02/1999	सूर्य	28/11/2008
	00/00/0000	केतु	21/05/1968	शुक्र	23/10/1986	सूर्य	03/07/1999	चंद्र	30/07/2010
	00/00/0000	शुक्र	21/07/1971	सूर्य	30/08/1987	चंद्र	01/02/2000	मंगल	29/09/2011
	00/00/0000	सूर्य	02/07/1972	चंद्र	28/01/1989	मंगल	29/06/2000	राहु	29/09/2014
	00/00/0000	चंद्र	01/02/1974	मंगल	26/01/1990	राहु	18/07/2001	गुरु	30/05/2017
	00/00/0000	मंगल	12/03/1975	राहु	14/08/1992	गुरु	24/06/2002	शनि	30/07/2020
	02/05/1961	राहु	16/01/1978	गुरु	20/11/1994	शनि	03/08/2003	बुध	31/05/2023
राहु	30/07/1961	गुरु	30/07/1980	शनि	30/07/1997	बुध	30/07/2004	केतु	30/07/2024

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
30/07/2024		30/07/2030		30/07/2040		30/07/2047		30/07/2065	
30/07/2030		30/07/2040		30/07/2047		30/07/2065		02/05/2081	
सूर्य	16/11/2024	चंद्र	31/05/2031	मंगल	26/12/2040	राहु	12/04/2050	गुरु	17/09/2067
चंद्र	18/05/2025	मंगल	30/12/2031	राहु	13/01/2042	गुरु	04/09/2052	शनि	30/03/2070
मंगल	23/09/2025	राहु	30/06/2033	गुरु	20/12/2042	शनि	12/07/2055	बुध	05/07/2072
राहु	17/08/2026	गुरु	30/10/2034	शनि	29/01/2044	बुध	29/01/2058	केतु	11/06/2073
गुरु	06/06/2027	शनि	30/05/2036	बुध	25/01/2045	केतु	16/02/2059	शुक्र	10/02/2076
शनि	18/05/2028	बुध	29/10/2037	केतु	23/06/2045	शुक्र	16/02/2062	सूर्य	28/11/2076
बुध	24/03/2029	केतु	30/05/2038	शुक्र	24/08/2046	सूर्य	11/01/2063	चंद्र	30/03/2078
केतु	30/07/2029	शुक्र	29/01/2040	सूर्य	29/12/2046	चंद्र	11/07/2064	मंगल	06/03/2079
शुक्र	30/07/2030	सूर्य	30/07/2040	चंद्र	30/07/2047	मंगल	30/07/2065	राहु	02/05/2081

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 0 वर्ष 2 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्विनी नक्षत्र के प्रथम चरण में मेष लग्न, मेष नवमांश एवं मेष राशि के द्रेष्काण में हुआ था। अस्तु यह जन्म वर्गोत्तम सूचक एवं अति उत्तम जन्म फल का सृजन कर रहा है।

परिणाम स्वरूप आप व्यक्तिगत रूप से स्वनिर्मित, साहसी, उत्सुक, किसी भी योजना को कार्यान्वित करने वाले, किसी भी चुनौती को स्वीकार करने वाले, किसी भी कार्य को शक्ति प्रदान करने वाले अथवा बिना किसी भी सहयोग के विभिन्न प्रकार के कार्यों को कार्यान्वित करने वाले हैं। आप बुनियादी रूप से एक विशेष व्यक्तित्व प्राप्त, अपने उद्देश्य में संलग्न रहने वाले, अपनी योजनाओं को कार्य रूप देने वाले, महत्वकांक्षी, परिश्रमी और अपने बनाए रास्ते पर चलने वाले तथा सुगमता से अपनी राह पर अग्रसर रहने वाले प्राणी है। आप मुसीबत के समय या संघर्षपूर्ण समय में भी पीछे मुड़कर नहीं देखने वाले शीघ्र ही कम समय में सुगमता पूर्वक उचित कार्य को पूर्ण कर लेने वाले हैं। आप अपने भरोसे ही पूर्ण विश्वसनीयता से सभी कार्यों को बिना प्रभावित हुए संपादन करने वाले हैं।

यदि कोई आपके साथ अत्यंत ही उत्तेजना पूर्वक व्यवहार करता है, तब आप भी वैसा ही व्यवहार उसके साथ अवश्य करना चाहते हैं। अपने सिद्धांतों का हनन होते देखकर आप में प्रतिशोधात्मक प्रवृत्ति का जागरण हो जाता है। आप एक सिद्धांतवादी, सदाचारी, विश्वासी, निष्कपट व्यवहार करने वाले व्यक्ति है। आप किसी को भी नीति विरुद्ध आचरण करते देख, उत्तेजित हो जाते हैं। अन्यथा आप एक धार्मिक विश्वासी एवं निष्कपट व्यवहार करने वाले हैं।

आप एक सृजनात्मक प्रवृत्ति एवं तीक्ष्ण बुद्धि के प्रगति शील सृजनकर्ता हैं। आप अपनी संपन्नता एवं उद्देश्य के प्रति सुनिश्चित एवं अधिकृत होकर पूर्ण विश्वसनीयता से अपना लक्ष्य प्राप्त करना चाहते है। आप जिस कार्य या लक्ष्य को सुनिश्चित कर लेते हैं, वह पथ कितना भी दुर्गम क्यों न हो कोई भी आपको अपने उद्देश्य से रोक नही सकता। आप स्वयं अपने कार्य और उद्देश्य को सुनिश्चित कर आप जिसे उपयुक्त समझते हैं। उसे पूरा करना ही अपना लक्ष्य समझते हैं। आप एक लगनशील और कर्मठ प्राणी हैं। परंतु आप अपने स्वाभाविक गुण एवं अपनी सत्ता के माध्यम से अपने मूल अस्तित्व एवं प्रसारात्मक तरीके से धन संचय कर लेते हैं। आप आवारागर्दी पर अपने धन का अपव्यय करते हैं, जो आपके लिए सर्वथा त्याज्य है। आप हर क्षण अविवेकिता पूर्ण तरीके से अपने द्वारा किए गए अनर्थकारी कार्यों को सत्य प्रमाणित करके संतुष्ट रहने का प्रयास करते हैं। आपके द्वारा अर्थ प्राप्ति के लिए उत्तम कार्य शैली का प्रदर्शन धैर्य पूर्वक एवं योजनाबद्ध तरीके से प्रस्तुत एवं कार्यान्वित किया जाता है। आप अपने बाएं-दाएं निकटतम समर्थक को अपने अधिकार क्षेत्र में संलग्न रखना पसंद करते हैं। आप हर क्षण अपनी सुरक्षा हेतु किसी मित्र की सहायता के लिए तत्पर रहा करते हैं। आप किसी भी क्षण किसी अन्य के हाथों पराजित होना पसंद नही करते तथा आपको कोई भी विरोधी पराजित न कर सके। इस भावना से आप संशोधन करने को तत्पर रहते हैं। तथा अपने मित्रों की सहायता करने को प्रस्तुत रहते हैं।

आप में यह विशेष गुण है कि आप संयुक्त परिवार के प्रति पूर्ण रूपेण समर्पित हैं। वास्तव में आप अपने घर को एक पक्षी के घोसले जैसा प्यार करते हैं। अर्थात् आप घर परिवार पर से पूर्ण रूपेण निकट एवं संबंधित रहकर जीना पसंद करते हैं। आप अपने दाम्पत्य जीवन को किसी भी प्रकार से प्रभावित करना या हतोत्साहित करना नहीं चाहते। आपको अपने परिवार के प्रति अत्यधिक झुकाव रहता है। आपके भाई और पारिवारिक अन्य सदस्य आपके मार्गदर्शन पर बिना किसी भी मतांतर के अनुकूल आचरण करते हैं।

आप अत्यंत ही प्रेम करने वाले कामुक प्राणी हैं और विपरीत योनि के प्रति या इस प्रकार के व्यक्ति से आप संबद्ध रहते हैं। स्वाभाविक रूप से जिनका जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला एवं धनु है। उनके साथ आपका वैचारिक मेल रहना उपयुक्त है। आपकी जन्मपत्रिका से यह संकेत मिलता है कि आप शारीरिक दृष्टिकोण से चुस्त, दुरुस्त एवं पुष्ट हैं और रहेंगे।

आपकी प्रतिभा की यह विशेषता है कि आपकी उन्नत ललाट और चमकीली आंखें किसी के भी मन की बातों को जान लेने में पूर्ण सक्षम और लक्ष्य भेदन में समर्थ हैं। आप सामान्यतया उत्तम स्वास्थ्य, शक्ति संपन्न एवं किसी प्रकार के रोग से मुक्त रहकर जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु आप निश्चित रूप से किसी छोटी दुर्घटना के शिकार होंगे। अस्तु सिर की रक्षा करें तथा सतर्कता पूर्वक वाहन चलाएं। ऐसी आशंका है कि आप यदि सतर्क नही रहें तो सिरोवेदना, अग्नि दाह, अनिद्र आदि रोगों से पीड़ित रहेंगे। अस्तु आपके लिए यह विचारणीय है कि आप सदैव ही अधिक मात्रा में साक-सब्जियों का व्यवहार करें। आप को सदैव यह ध्यान रखना चाहिए कि कार्य प्रारंभ करने के पूर्व पूर्ण रूपेण निद्रा, विश्राम आदि कर चुके हैं तथा तरोताजगी से कार्यारम्भ करें। आपको यह संकेत दिया जाता है कि आप एक समय में कई कार्यों को नही कर एक कार्य को ही मनोयोग पूर्वक करें। क्योंकि आप एक ही समय कई कार्यों का संपादन करने की क्षमता रखते हैं और एक साथ विभिन्न कार्यों को संपादन कर धन प्राप्त करते हैं।

आपके लिए विधि, कार्य, तेल का कार्य, भूमि क्रय-विक्रय, पशुपालन, लौह एवं स्टील कार्य, यांत्रिकी कार्य, फैक्ट्री कार्य, चमड़े का कार्य अथवा चर्मोद्योग कार्य उपयुक्त और लाभ जनक है। यदि आपको उपयुक्त योग्यता है तो आप अध्यापन कार्य भी कर सकते हैं।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 प्रभावक अंक 4 एवं 8 हैं। 2, 3 और 5 अंक सामान्य परंतु 6 एवं 7 अंक आपके लिए उपयुक्त अंक हैं।

जहां तक संभव हो सके आप लाल, पीला, ताम्रवर्णी एवं स्वर्णरंजित रंग के वस्त्रों एवं वस्तुओं का उपयोग अपने जीवन की अनुकूलता हेतु करें। काले नीले रंग की धातु या वस्त्र कदापि व्यवहार में न लाएं।